

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी के आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

समय जगत, दमोह। पथरिया नगर में गत सुबह लोगों को पता लगा कि मुखर्जी मार्केट में प्रकाशचंद सराफ ज्वेलर्स की दुकान पर दीवार में छेद कर वहां से लाखों की चांदी चोर ले उड़े। दरअसल यह चोरी प्रकाशचंद सराफ की दुकान पर पहली चोरी नहीं है। उन्होंने बताया लगभग 10 वर्षों में मेरी दुकान पर 6 बार ऐसी वारदातें हो चुकी हैं। जिसका खुलासा अब तक पुलिस द्वारा नहीं किया गया। इस बार भी सुबह भरे पास स्थानीय लोगों का फोन आया और उनके द्वारा बताया गया कि मेरी दुकान के पीछे दीवार में सुरग कर चोर दुकान का सामान ले उड़े हैं। मौके पर जब मैं दुकान पहुंचा तो वहां बताई गई स्थिति यथावत थी, इसके उपरान्त पथरिया थाना में इसकी सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने आकर शटर खोल जायजा लिया। जिसमें दुकान से लाखों की चांदी

दीवार में छेद कर ले उड़े लाखों की चांदी



और कई अन्य कीमती सामान गायब था। सराफने बताया कि अनुमानित 4 से 5 किलो चांदी जिसकी वर्तमान कीमत 10 लाख

रूप से अधिक है। वह गायब है। अलमारी में रखी दो सोने की झुमकी, 250 ग्राम चांदी का मुकुट और दुकानों पर जो डमी रखी होती है उन्हें भी चोर अपने साथ ले गए हैं। वहीं जब पुलिस द्वारा घटना स्थल की शिनाख्त की तो उन्हें बच्चे के पैरों के निशान जिन डिब्बों में चांदी रखी थी। उनके खाली डिब्बे मोतियों की काली मालाएं आदि प्राप्त हुए। इसके अलावा चोरी करने वाले की फुटेज कमरे में कैद हुई है। इस बड़ी घटना की गुत्थी सुलझाने दमोह से फिंगर प्रिंट टीम को बुलाया गया जिसने लगभग 1 घंटे तक मौके से कई सारे फिंगर प्रिंट और कई सारे सुराख खंगाले जिसकी सहायता से आगे कार्यवाही और चोरों को पकड़ने में सहायता मिलेगी। पुलिस उक्त चोरी के आरोपियों की तलाश में सक्रिय हो गई है।

अनुसूचित जाति बस्ती में ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले की ग्राम पंचायत बिलखुय की अनुसूचित जाति बस्ती में आज तक विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित नहीं किए जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस्ती के परिवार वर्षों से दूसरे मोहल्ले के ट्रांसफॉर्मर से तारों के माध्यम से बिजली लेकर किसी तरह अपना जीवनयापन कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग लोग बार-बार उन तारों को काट देते हैं अथवा बिजली आपूर्ति बाधित कर देते हैं, जिससे पूरी बस्ती अंधेरे में डूब जाती है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर डॉ. जितेंद्र सिंह जाटव, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष, अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग युवा संगठन के नेतृत्व में अनुसूचित जाति बस्ती के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर पन्ना को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि अनुसूचित जाति बस्ती में शीघ्र अलग से विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्थायी



रूप से बिजली उपलब्ध हो सके और उन्हें बार-बार होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिल सके। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में विद्युत विभाग को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों की

समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा अनुसूचित जाति बस्ती में ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन के दौरान नंदलाल वर्मा, रामाधर वर्मा, संत कुमार वर्मा, रामसेवक वर्मा, मुन्ना वर्मा, देवकरण वर्मा सहित अनुसूचित जाति बस्ती के अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मानसून की बेरुखी ने क्षेत्र के किसान हो रहे हैं परेशान



समय जगत, बिस्‍टान । मानसून की बेरुखी ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है । पिछले 10 दिनों से बारिश नहीं होने से कपास, मक्का, सोयाबीन, और सब्जियों की फसले मुरझाने लगी है । खेतों की नमी खत्म होने लगी है । जमीन में दरारें पर रही हैं और किसानों को अब दोबारा बोनी का खतरा सताने लगा है किसानों का कहना है कि यदि अगले 6, 7, दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई । तो लाखों रुपए का निवेश संकट में पड़ जाएगा । इस वर्ष शुरुआती बारिश से किसानों ने समय पर बोनी कर अच्छी पैदावार की उम्मीद की थी । लेकिन लंबे अंतराल से बारिश नहीं होने के कारण फसलों की बढ़वार रुक गई है । तेज धूप और उमस से खेत सूख रहे हैं । वहीं फसलों में रोगों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है । वर्तमान में किसान कुपे, टियुबवेल, के पानी से अपनी फसलों को बचाने में जुटे हुए हैं । किसान गबु पटेल , पुरषोत्तम पाटील, मोतिया सिंधिया, राजू पाटील , ने बताया की फसले सूखने की कगार पर है ।

पौध रोपण के साथ नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने दिलाया संकल्प



समय जगत, उवहरा । नगर परिषद के नवीन कार्यालय भवन में अमृत हरित महाभियान के तहत प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री नागोद विधायक नागेन्द्र सिंह जू देव के मुख्य आतिथ्य में एक हजार एक सौ पौधों (1100) का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया । इस दरमियान निकाय अध्यक्ष सहित नगर के पार्षदगण, समाजसेवियों ने सफाई अपनाओ बीमारी भग्नाओ अभियान के तहत आम जन से अपील की है कि कचड़ा कूड़ादान में ही फेंकें । जिससे नगर स्वच्छ और सुंदर दिखे । जिसके कारण असमय होने वाली बीमारियों से छुटकारा मिल सके , नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने का संकल्प भी दिलाया गया । अमृत हरित महाभियान के तहत नगर में 11 हजार पौधों को रोपित करने का लक्ष्य रखा है । आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश शासन के पूर्व मंत्र विधायक नागेन्द्र सिंह जू देव रहे जबकि मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह , समाजसेवी बंदी प्रसाद ताम्रकार मंचासीन रहे , विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पौधापोषण प्रभारी विजय तिवारी रहे । अध्यक्षता निकाय अध्यक्ष निरजन प्रजापति ने की । निकाय द्वारा स्वागत उपरांत श्रीफल शाल भेंट कर सम्मान किया गया ।

सिटी मॉल के सामने चाकूबाजी के आरोपी हुए गिरफ्तार

पुरानी रंजिश के चलते वारदात को दिया अंजाम , चाकू एवं स्कूटी जप्त

समय जगत, कटनी। पुरानी रंजिश के चलते सिटी मॉल के सामने चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार किया है और आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू एवं स्कूटी बरामद करते हुए माननीय न्यायालय के आदेश पर आरोपियों को जेल भेज दिया है। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि 15 जुलाई की रात 08.45 बजे बरही रोड स्थित सिटी मॉल के सामने पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी की एक वारदात हो गई थी। शिवनगर निवासी दीपक टीपा अपने भाई कुलदीप टीपा तथा मित्र श्रीमौर्य एवं यश चौहान के साथ सिटी मॉल पंकज पैलेस के सामने सड़क पार कर रहा था। तभी हेमंत उर्फ दुईया निषाद अपने साथी सागर निषाद के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर सागर निषाद ने दीपक के दोनों हाथ पकड़



लिए, जबकि हेमंत उर्फ दुईया ने उसके साथ मारपीट की। बीच बचाव करने आए कुलदीप टीपा पर हेमंत ने जान से मारने की नीयत से चाकू से पेट पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। घटना के बाद कोतवाली पुलिस से सक्रियता दिखाते हुए हेमंत निषाद उर्फ दुईया पिता विजय निषाद एवं सागर

निषाद पिता राजाराम निषाद दोनों निवासी आधारकाप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू एवं स्कूटी जप्त की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने बताया कि दोनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते दीपक टीपा एवं उसके भाई कुलदीप टीपा के साथ मारपीट कर चाकू से जानलेवा हमला किया। जांच में पाया गया कि दोनों आरोपी आदतन

अपराधी हैं। आरोपी हेमंत उर्फ दुईया निषाद के विरुद्ध कोतवाली एवं कुठला में पूर्व से 5 आपराधिक प्रकरण, जबकि आरोपी सागर निषाद के विरुद्ध कोतवाली, कुठला एवं एनकेजे में पूर्व से 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। **इनकी रही सराहनीय भूमिका:** आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, खिरहनी चौकी प्रभारी किशोर द्विवेदी, एएसआई रामेश्वर प्रसाद पटेल, एएसआई विजय गिरी, प्रधान आरक्षक सुनील सिंह, रामपाल बागरी, अनिल सेंगर, वीरेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र तिवारी, आरक्षक अजय प्रताप सिंह, दीपक तिवारी, प्रवीण सिंह एवं विवेक मिश्रा की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दिवंगत आरक्षक के परिवार को स्टेट बैंक द्वारा एक करोड़ का चेक किया गया प्रदान

समय जगत, पन्ना। मध्य प्रदेश पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक के मध्य संपादित पुलिस सैलरी पैकेज एमओयू के अंतर्गत ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए आरक्षक अजय भास्कर के परिजनों को एक करोड़ की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। मध्य प्रदेश पुलिस से भारतीय स्टेट बैंक के मध्य हुए इस एमओयू के अनुसार, जिन पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन खाता एसबीआई के पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत संचालित है, उन्हें निर्धारित शर्तों के अनुसार दुर्घटना अथवा ड्यूटी के दौरान मृत्यु जैसी परिस्थितियों में विशेष बीमा एवं अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। इसी प्रावधान के तहत दिवंगत आरक्षक अजय भास्कर के परिजनों को एक करोड़ की बीमा राशि स्वीकृत की गई। यह बीमा चेक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पन्ना सुश्री वंदना सिंह चौहान एवं भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधक अमित सोनी एवं अधिकारियों द्वारा



संयुक्त रूप से दिवंगत के परिजनों को सौंपा गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना सिंह चौहान ने दिवंगत आरक्षक अजय भास्कर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। एसबीआई के साथ किया गया पुलिस सैलरी पैकेज एमओयू भी ऐसी ही एक

महत्वपूर्ण पहल है, जो कठिन समय में पुलिस परिवारों को आर्थिक सुरक्षा एवं सबल प्रदान करता है। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस सैलरी पैकेज का उद्देश्य पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों को आकस्मिक परिस्थितियों में वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना है तथा यह योजना पुलिस बल के कल्याण के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

सच्ची श्रद्धा और विश्वास से भगवान सदैव अपने भक्तों की करते हैं रक्षा :कथा व्यास महाराज

तीसरे दिन वामन अवतार एवं प्रह्लाद चरित्र का वर्णन सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

समय जगत, दमोह। नगर के धरमपुरा वार्ड में आयोजित हो रही श्रीमद भगवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत 17 जुलाई को कथा के तीसरे दिन भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस अवसर पर बुदेलखंड के प्रसिद्ध कथावाचक कमलेश्वरानंद महाराज द्वारा राजा परीक्षित के श्राप, भगवान वामन अवतार एवं भक्त प्रह्लाद के चरित्र का अत्यंत विस्तार और भावपूर्ण ढंग से वर्णन किया गया। कथा के दौरान बताया गया कि किस प्रकार राजा परीक्षित को श्राप मिला और यह वरसंग मानव जीवन में चलने की प्रेरणा और धर्म के मार्ग पर समझ के महत्त्व देता है। कथावाचक महाराज ने भगवान विष्णु के वामन



अवतार का वर्णन करते हुए कहा कि जब दानवीर राजा बलि के अहंकार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना हेतु भगवान ने वामन रूप धारण किया। तीन पग भूमि मांगकर भगवान ने संपूर्ण ब्रह्मांड को अपने चरणों में समेट लिया। यह प्रसंग त्याग, दान और समर्पण की भावना को दर्शाता है। कथा में भक्त प्रह्लाद के जीवन का वर्णन करते हुए बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों और अत्याचारों

के बावजूद उन्होंने भगवान के प्रति अपनी भक्ति नहीं छोड़ी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास से भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर रहा। मुख्य श्रोता श्रीमती लक्ष्मीबाई नन्ने भाई बरदिया सहित श्रद्धालु जनों ने भजन-कीर्तन में लीन होकर भगवान के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

कोतवाली पुलिस ने तिरुपति गार्डन चोरी का 24 घंटे में किया खुलासा

दो महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

विदिशा। थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए तिरुपति गार्डन में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा कर दो महिला एवं एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया लगभग 10,000 मूल्य का लोहे का एंगल बरामद किया है। बताया गया कि दिनांक 16 जुलाई को फरियादी अंकित दुबे संचालक तिरुपति गार्डन विदिशा द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात महिलाओं द्वारा गार्डन



परिसर से लोहे के एंगल, मोटर एवं केबल चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर थाना कोतवाली में प्रकरण क्रमांक 446/2026

से सूचना प्राप्त हुई कि दो महिलाएं चोरी का सामान कबाड़ की दुकान पर बेचने पहुंची हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों महिलाओं शिवानी पत्नी सोनू आदिवासी उम्र 27 वर्ष निवासी जतरापुरा विदिशा, फूलवती पत्नी शहंशाह पारदी उम्र 35 वर्ष निवासी जतरापुरा विदिशा एवं एक पुरुष आरोपी हमजा पिता अली हुसैन उम्र 18 वर्ष निवासी रंगईपुरा विदिशा को पकड़ लिया। पृष्ठछाछ एवं तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी गया

मशरूका बरामद कर लिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में संपन्न हुई। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी आनंद राज, सहायक उप निरीक्षक राम मनोहर, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र कटियार, आरक्षक भूपेंद्र कुर्मी, राघवेंद्र सिकरवार, शिशुपाल सिंह दांगी एवं नोलेश धाकड़ की भूमिका रही।

समय जगत, विदिशा। शुक्रवार को सिविल लाइन थाना अंतर्गत आने वाले बंटी नगर सांवरिया सेठ कॉलोनी में एक सुने घर पर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। परिवार के लोग सागर में जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा में गए थे। जब सुबह घर आकर देखा तो ताले टूटे पड़े हुए थे और घर से कीमती सामान चोरी हो गया था। इस मामले की जानकारी सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई और पुलिस द्वारा जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। सांवरिया सेठ कॉलोनी निवासी परमानंद और राजेश जाटव ने बताया कि वह परिवार के साथ सागर में भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा में शामिल होने गए थे। शुक्रवार को सुबह वह 5 बजे जब वापस अपने घर पहुंचे तो देखा कि घर के ताले टूटे पड़े हुए हैं। इस मामले की



तुरंत सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर में

खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बच्चों की सोने की बाली और एक जोड़ी सोने की झुमकी पर हाथ साफ कर दिया। सिविल लाइन थाने से पुलिस और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम आई थी। उन्होंने कहा कि वह मोटर साइकिल सवारों का कार्य करते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। 6 महीने पहले ही हमने घर बनाया था। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर पूरा सामान की जांच पड़ताल की गई और सामान इधर-उधर फेंक कर चोर कीमती सामान लेकर रफू चकर हो गए। वहीं सिविल लाइन थाने से मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों के

सार-समाचार

खेत पर काम करने गए 10 वर्षीय छात्र की करंट लगने से हुई मौत

गाजियाबाद । मुरादनगर के भोवापुर गांव में खेत पर काम करने गए 10 वर्षीय छात्र की करंट लगने से मौत हो गई । परिजनों का आरोप है कि किसान ने 100 रुपये का लालच देकर बच्चे को धान के खेत में खरपतवार साफ कराने के लिए बुलाया था । खेत की तारबंदी में करंट दौड़ने से छात्र उसकी चपेट में आ गया ।पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है । भोवापुर निवासी संजय कुमार राजमिस्त्री हैं । उनका सबसे छोटा बेटा केशव (10) गांव के स्कूल में कक्षा तीन का छात्र था । भाई अर्जुन ने बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर गांव का एक किसान उसे अपने खेत पर काम कराने के लिए साथ ले गया । आरोप है कि खेत की तारबंदी में बिजली का करंट प्रवाहित किया गया था । काम के दौरान केशव करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया और बेहोश हो गया । सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे स्थानीय अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया । घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया । आरोप है कि बच्चे को करंट लगता देख आरोपी किसान मौके से भाग गया । करीब दो घंटे बाद किसी गांव के चरवाहे ने केशव को खेत में पड़ा देखा तो उसकी सूचना परिवार को दी । संजय कुमार के तीन लड़की और तीन बेटों में केशव सबसे छोटा था ।

धनराज की टीम को मिली शानदार जीत

गुरुग्राम । नेहरु स्टेडियम में शुक्रवार से आदित्य भारद्वाज प्रथम स्मृति मेमोरियल सिक्व एस साइड हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ । बार दिवसीय इस प्रतियोगिता में 10 टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे । प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन दिखाया । आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेश सैनी ने बताया कि उद्घाटन मुकाबला धनराज फिल्ले टीम और केडी सिंह बाबू टीम के बीच खेला गया । दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला और निर्धारित समय तक मुकाबला 3–3 की बराबरी पर समाप्त हुआ । इसके बाद विजेता का फैसला शूटआउट के जरिए किया गया, जिसमें धनराज फिल्ले टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2–0 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया । दिन का दूसरा मुकाबला गुरबख्खा सिंह टीम और दिदीपू तिकी टीम के बीच खेला गया । इस मैच में गुरबख्खा सिंह टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 5–2 से जीत हासिल कर अगले राउंड में जगह बनाई । प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन अहलावत ने किया । उन्होंने कहा कि स्वर्गीय आदित्य भारद्वाज को हॉकी खेल से विशेष लगाव था और वे पर्यावरण एवं जीव–जंतुओं की सेवा के प्रति समर्पित थे । स्कूली और कॉलेज जीवन में उन्होंने अपनी सादगी, सेवाभाव और समाज के प्रति समर्पण से अलग पहचान बनाई थी । कार्यक्रम में हॉकी प्रशिक्षक अशोक कुमार, निर्मला डागर, अंतरराष्ट्रीय पहलवान महेंद्र सिंह, एडवोकेट नितिन भारद्वाज, नरेश सैनी, मनीष यादव, डॉ. राहुल यादव, सागर सैनी, उज्ज्वल सिंह, मास्टर सत्यवान शर्मा, उपेश कुमार, आशु, पवन यादव, राजकुमार, पायल, मनीषा सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे ।

मेवात विकास एजेंसी के डिटी सीईओ के लिए लिंक अधिकारी नामित

समय जगत, चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार ने मेवात विकास एजेंसी, नूंह के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डिटी सीईओ) की गैर–मौजूदगी में कार्य का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिंक अधिकारी नामित किए हैं । मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी आदेशों के अनुसार सिटी मजिस्ट्रेट, नूंह को लिंक अधिकारी–1 तथा उपमंडल अधिकारी (नागरिक), नूंह को लिंक अधिकारी–2 नियुक्त किया गया है । ये लिंक अधिकारी संबंधित अधिकारी के अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे अथवा चुनाव ड्यूटी पर रहने की स्थिति में तथा स्थानांतरण, सेवानिवृति या किसी अन्य कारण से पद रिक्त होने की स्थिति में कामकाज देखेंगे । आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संबंधित अधिकारी अवकाश, प्रशिक्षण, दौरे अथवा चुनाव ड्यूटी पर जाने से पूर्व नामित लिंक अधिकारियों को इसकी सूचना देना सुनिश्चित करेंगे ।

एससीईआरटी हरियाणा में विज्ञान–गणित शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

गुरुग्राम । हरियाणा राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद एससीईआरटी में 16 और 17 जुलाई को विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का आयोजन इगोवेशन एंड साइंस प्रमोशन फाउंडेशन आईईएसपीएफ ने सीमेंस इंडिया के सहयोग से किया । इसमें गुरुग्राम के 10 सरकारी विद्यालयों के 84 शिक्षकों और 9 सहायक खंड ससाधन समन्वयकों एबीआरसी ने भाग लिया । प्रशिक्षण में शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण के नए तरीके सिखाए गए, ताकि विज्ञान और गणित की पढ़ाई विद्यार्थियों के लिए अधिक सरल, रोचक और व्यवहारिक बन सके । विज्ञान सत्र में न्यूटन के तृतीय नियम, अम्ल–क्षार और अपकेंद्रीय बल जैसे विषयों पर प्रयोग कराए गए, जबकि गणित सत्र में पाई और त्रिकोणमिति जैसी अवधारणाओं को गतिविधियों के माध्यम से समझाया गया । कार्यक्रम में एससीईआरटी के निदेशक समवि्त सिंह, उपनिदेशक डॉ. अशु संगला, डॉ. मनोज कौशिक और तख्त सिंह मौजूद रहे । अधिकारियों ने शिक्षकों को कक्षा में अनुभवात्मक शिक्षण अपनाने के लिए प्रेरित किया । यह कार्यक्रम गुरुग्राम में तीसरे वर्ष से संचालित हो रहा है और इसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में स्टेम शिक्षा को मजबूत बनाना है ।

अधिकारियों के साथ बैठक में दिए आवश्यक दिशा–निर्देश

गुरुग्राम । जिला गुरुग्राम में 19 जुलाई को आयोजित होने वाली संघ लोक सेवा आयोग की सीएपीएफ परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर शुक्रवार को लघु सचिवालय में सीईओ जिला परिषद सुमित कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में परीक्षा केंद्रों के अधीक्षकों, ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं संबंधित अधिकारियों के साथ तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए । उन्होंने कहा कि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील होती है । ऐसे में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता, सतर्कता और पारदर्शिता के साथ करें ।

रिठाला-कुंडली मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य होगा पूर्ण

दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को जोड़ेगी एक मेट्रो लाइन

नई दिल्ली । बवाना स्थित एमसीडी के वेस्ट–टू–एनजी (डब्ल्यूटीई) प्लान्ट के पास से गुजर रही 400 केवी की हाईड्रेशन ट्रांसमिशन लाइनें प्रस्तावित मेट्रो एलाइनमेंट के बीच आ रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने इन बिजली लाइनों को शिफ्ट करने या उनकी ऊंचाई बढ़ाने का फैसला किया है। दिल्ली मेट्रो के बहुप्रतीक्षित रिठाला–कुंडली (नाथूपुर) कॉरिडोर के निर्माण में आ रही बड़ी तकनीकी बाधा अब दूर होने की दिशा में है। बवाना स्थित एमसीडी के वेस्ट–टू–एनजी (डब्ल्यूटीई) प्लान्ट के पास से गुजर रही 400 केवी की हाईड्रेशन ट्रांसमिशन लाइनें प्रस्तावित मेट्रो एलाइनमेंट के बीच आ रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने इन बिजली लाइनों को शिफ्ट करने या उनकी ऊंचाई बढ़ाने का फैसला किया है। पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ



इंडिया (पीजीसीआईएल) और दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) की 400 केवी डबल

सर्किट ट्रांसमिशन लाइनें मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण में बाधा बन रही हैं। इन लाइनों के पुनर्स्थापन के

बाद रिठाला–कुंडली मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है। यह कदम परियोजना की सबसे बड़ी तकनीकी अड़चनों में से एक को दूर करेगा, जिससे लंबे समय से प्रतीक्षित इस कॉरिडोर के निर्माण का रास्ता साफ होने की संभावना है।

इस कार्य पर 18.97 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसे पूरा होने में करीब 18 महीने लगेंगे। डीएमआरसी ने इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक बिजली नेटवर्क का पुनर्संयोजन नहीं हो जाता, तब तक कॉरिडोर के प्रभावित हिस्से में मेट्रो का निर्माण आगे नहीं बढ़ सकेगा। परियोजना के तहत केवल ट्रांसमिशन लाइनें हटाई नहीं जाएंगी, बल्कि पूरी नई एलाइनमेंट तैयार की जाएगी। इसके लिए सर्वे, जियोटेक्निकल जांच, टावरों के नए स्थान तय करना, नई फाउंडेशन बनाना, जरूरत पड़ने पर लैंटिस टावर या स्टील

मोनोपोल स्थापित करना, नई लाइन की स्ट्रिंगिंग, परीक्षण और कमीशनिंग जैसे सभी तकनीकी कार्य किए जाएंगे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पुराने टावरों और ट्रांसमिशन लाइनों को चरणबद्ध तरीके से हटया जाएगा।

रिठाला–कुंडली (नाथूपुर) कॉरिडोर दिल्ली मेट्रो के फेज-4 की प्रमुख परियोजनाओं में शामिल है। रिठाला–कुंडली (नाथूपुर) कॉरिडोर तैयार होने के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा एक ही रेड लाइन मेट्रो नेटवर्क से सीधे जुड़ जाएंगे। यह मौजूदा रेड लाइन का विस्तार होगा, जिससे गाजियाबाद के शहीद स्थल से रिठाला, बवाना और नरेला होते हुए हरियाणा के कुंडली–नाथूपुर तक बिना मेट्रो बदले सफर संभव होगा। करीब 26.463 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर से तीनों राज्यों के लाखों यात्रियों को तेज, सुविधाजनक और निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी।

50 प्रतिशत अनुदान के लिए तीन अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन

समय जगत, चण्डीगढ़। हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना वर्ष 2026-27 के तहत फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों से तीन अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत किसानों के लिए फसल अवशेष प्रबंधन कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से किसानों को व्यक्तिगत श्रेणी में विभिन्न कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत सुपर एसएमएस, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ चॉपर/श्रेडर,मल्चर, रिवर्सिबल एग्गो प्लाज, जौरो टिल सीड ड्रिल, सुपर सीडर, स्ट्रॉ बेलर, रेक, क्रॉप रीपर, ट्रैक्टर माउटेड लोडर तथा ट्रैक्टर चालित टेंडर मशीन सहित विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि इच्छुक किसान विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर तीन अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना

अनिवार्य है। इसके अलावा, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता विवरण, ट्रैक्टर की वैध आरसी तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को जाति प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले किसानों को खेत में फसल अवशेष नहीं जलाने तथा पिछले तीन वर्षों में संबंधित कृषि यंत्र पर परिवार के किसी सदस्य द्वारा अनुदान नहीं लेने का शपथ पत्र देना होगा। व्यक्तिगत श्रेणी में प्रत्येक किसान केवल एक कृषि यंत्र के लिए ही आवेदन कर सकेगा। यदि किसान का चयन बेल्तर मशीन के लिए होता है तो वह रेक, स्ट्रॉ रेक अथवा श्रेडर मास्टर/रोटरी स्लेशर मशीन पर भी अनुदान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि चयनित किसानों को निर्धारित समय के भीतर आवश्यक दस्तावेज संबंधित जिला के सहायक कृषि अभियंता कार्यालय में जमा कराने होंगे। परमिट जारी होने के बाद किसान को 7 सितंबर, 2026 तक विभाग द्वारा अनुमोदित निर्माता/डीलर से कृषि यंत्र खरीदकर बिल, ई-वे बिल तथा जीपीएस लोकेशन सहित आवश्यक दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को एक दिन कहानी और कविता का पढ़ाया जाएगा पाठ

गाजियाबाद। परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में पढ़ने की आदत



दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन सके। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव ने बताया कि शासन स्तर से जारी इन निर्देशों के मुताबिक, विद्यालयों में स्क्रीन

टाइम कम करने के लिए समाचार पत्र पढ़ने व इससे जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। विद्यालयों में रीडिंग क्लब का भी गठन किया जाएगा। नए सत्र में इन सभी गतिविधियों को अभियान के रूप में संचालित करने के लिए तैयारी शुरू की गई है।

पांच दिन मेहरबान रहेगा मानसून 20 व 21 को भारी बारिश के आसार

गाजियाबाद। उमस और तेज धूप से बेहाल लोगों के लिए राहत की खबर है। प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। खासकर 20 और 21 जुलाई को कई स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। लगातार बारिश से तापमान में गिरावट आणी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी दिनों में बादल छाए रहने और बारिश होने से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे कमी आएगी। मौसम विभाग के अनुसार, 18 जुलाई को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और

कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। 19 जुलाई को भी बादल बने रहेंगे व एक-दो दौर की बारिश के आसार हैं। 20 जुलाई से वर्षा की गतिविधियां तेज होंगी, जबकि 21 जुलाई को गरज-चमक के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना है। 22 और 23 जुलाई को भी बादल छाए रहने और रुक-रुककर कई वर्षा होने का अनुमान है। कृषि मौसम सेवा विभाग के प्रोफेसर यूपी शाही ने बताया कि प्रदेश में मानसून की गतिविधियां फिर तेज हो रही हैं। विशेषज्ञों ने किसानों को खेतों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखने और आम लोगों को जलभराव वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी है। लगातार बारिश खेती के लिए लाभदायक हो सकती है, लेकिन निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति भी पैदा हो सकती है। ऐसे में लोगों से मौसम संबंधी अपडेट पर नजर रखने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की गई है।

दिल्ली के पुलिस कमिश्नर बनाये गये अनुराग कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर सतीश गोलचा को रिटायरमेंट से पहले ही उनके पद से हटा दिया गया है। इसके साथ ही अनुराग कुमार को दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पद की जिम्मेदारी मिली है। उनकी नियुक्ति से जुड़ा आदेश जारी कर दिया गया है और उन्होंने अपना कार्यभार संभाल लिया है। जानकारी के अनुसार, सतीश गोलचा का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला था। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को दिल्ली का नया पुलिस आयुक्त (कमिश्नर ऑफ पुलिस) नियुक्त किया है। इस संबंध में गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, एजीएमयूटी कैडर (1994 बैच) के आईपीएस अधिकारी अनुराग कुमार को सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगी और अगले आदेश तक वह दिल्ली पुलिस आयुक्त के पद पर बने रहेंगे।



अनुराग कुमार के रूप में दिल्ली पुलिस को नया कमिश्नर मिल गया है। जानकारी के मुताबिक, अनुराग कुमार 1994 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वह अभी आईबी में स्पेशल डायरेक्टर के पद पर तैनात

थे।अनुराग कुमार डीसीपी नॉर्थ ईस्ट और उसके बाद डीसीपी नॉर्थ रहे। इसके बाद वो आईबी में डेयूटेशन पर चले गए। इसके बाद से ही अनुराग कुमार आईबी में ही हैं। शुरुआती दौर से आईबी में नंबर 2 तक वो आईबी में ही रहे। कल ही उनका वापस दसफर एजीएमयूटी कैडर में हुआ। क्योंकि लंबे समय से अनुराग कुमार आईबी में हैं इसलिए उनका कोई नया फोटो सार्वजनिक नहीं है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि वर्तमान पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा (एजीएमयूटी कैडर, 1992 बैच) नए पुलिस आयुक्त के कार्यभार ग्रहण करने के बाद आगे की नियुक्ति के लिए दिल्ली के उपराज्यपाल को रिपोर्ट करेंगे। सतीश गोलचा को अगस्त 2025 में दिल्ली पुलिस का कमिश्नर बनाया गया था। उन्होंने तब एसबीके सिंह की जगह ली थी। सतीश गोलचा साल 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वह इससे पहले तिहाड़ जेल के डीजी थे। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में डीजीपी का पद भी संभाला था।

हाइड्रोजन ट्रेन से गोहाना उभरेगा विश्व मानचित्र पर स्वच्छता से होगा ऐतिहासिक क्षण का स्वागत : डॉ. शर्मा

समय जगत, चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्वागत सर्वोच्च परंपरा रही है। हम प्रतिदिन अपने घर की साफ-सफाई करते हैं, लेकिन जब कोई विशिष्ट अतिथि आने वाला होता है तो पूरे उत्साह और समर्पण के साथ घर को सजाते-सजाते हैं। 17 जुलाई को जब देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन पहली बार गोहाना रेलवे स्टेशन पहुंचेगी, तब यह केवल एक ट्रेन का आगमन नहीं होगा, बल्कि आधुनिक भारत के इतिहास का स्वर्णिम क्षण होगा। इसी भावना के साथ आज रेलवे स्टेशन पर विशेष

स्वच्छता अभियान चलाया गया है। मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हरित ऊर्जा और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में कदम बढ़ा रहा है। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन उसी दूरदर्शी सोच का परिणाम है। इस परियोजना से गोहाना के राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक पहचान भी मिलेगी और यह शहर आधुनिक एवं स्वच्छ परिवहन व्यवस्था की नई पहचान बनेगा। सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से देश की पहली इको-फ्रेंडली हाइड्रोजन ट्रेन का

शुभारंभ करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर जींद में विशाल इको-फ्रेंडली रैली का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस स्वदेशी, प्रदूषण-मुक्त और पर्यावरण-अनुकूल ट्रेन को लेकर पूरे क्षेत्र में अभूतपूर्व उत्साह है और लोग इस ऐतिहासिक पल का महत्व को गंभीरता से देख रहे हैं। डॉ. शर्मा ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्वच्छता को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है।

संपादकीय

देश की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहा है सुधार

देश की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत-2047 के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है,जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ- साथ एक सुदृढ़,आधुनिक, वैज्ञानिक तथा जन-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण भी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है। भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, बल्कि तेजी से उभरती हुई स्वास्थ्य महाशक्ति बनने की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद से नहीं मापी जाती, बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य,अनुसंधान क्षमता, चिकित्सा नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से भी आंकी जाती है। यही कारण है कि भारत सरकार का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निरंतर ऐसी नीतियां और कानून विकसित कर रहा है जो देश की स्वास्थ्य प्रणाली को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सशक्त बना सके। अभी हाल ही में 8 जुलाई को जारी की गई । किसी भी देश की वास्तविक ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता नहीं होती, बल्कि उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता और दवा प्रणाली की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। महामारी के दौरान भारत ने टीकों के अनुसंधान,उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति में जो भूमिका निभाई, उसने दुनिया का ध्यान भारतीय वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।इसी अनुभव के आधार पर अब भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रही है। आज पूरी विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में चौथी औद्योगिक क्रांति का अनुभव कर रहा है। आर्टिफिशल इंटेलीजेंस,मशीन लर्निंग,जीन एडिटिंग,बिग डेटा, रोबोटिक सर्जरी, टेलीमैडिसिन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी तकनीकें चिकित्सा व्यवस्था का स्वरूप बदल रही हैं। ऐसे समय में भारत यदि अपनी अनुसंधान नीति और फार्मसी शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक नहीं बनाता, तो भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति-2026 का मूल उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान को नई दिशा देना है।कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया कि जिन देशों की वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता मजबूत होती है, वे महामारी, नई बीमारियों और स्वास्थ्य आपदाओं का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर सकते हैं। भारत ने भी कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण, दवा उत्पादन तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, किंतु इस अनुभव ने यह भी बताया कि अनुसंधान के लिए दीर्घकालिक निवेश, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, प्रशिक्षित वैज्ञानिक, गुणवत्ता पूर्ण डेटा तथा उद्योग एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है।नई नीति इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान को अधिक समन्वित, पारदर्शी,नैतिक तथा नवाचार-आधारित बनाने का प्रयास करती है। ऐसे में देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार हो रही प्रगति देशवासियों के लिये फायदेमंद तो है ही साथ ही यह देश की वैश्विक प्रतिष्ठा में वृद्धि का भी सूचक है।

‘मैहर’ राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत सूची में

राजेश गनोडवाले

किसी महामारी के कारण मैहर में अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर ‘मैहर बैंड’ के रूप में छ गया। देश में मॉनसून छाने के कुछ पहले आई यह खबर मन शीतल करने वाली है। समाचार है कि अब विश्वविख्यात ‘मैहर बैंड’ भारत सरकार की ‘राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची’ में दर्ज हो गया है। यानी अब हम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से बस एक कदम पीछे हैं। यह उपलब्धि केवल मैहर या विंध्य क्षेत्र की नहीं, पूरे मध्यप्रदेश और भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए उम्मीद लाई है। विस्तृत अर्थों में यह शास्त्रीय संगीत की उस सोच का सम्मान है, जिसमें दुर्लभता के प्रति नमन भाव बाहर आता है। निःसंदेह, इस बढ़ते सा भारतीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के देशीय प्रयासों में ऊर्जा आपूर्ती, साथ ही उस दिशा को देखने वाले रास्ते भी चौड़े होंगे। उत्तर भारतीय रागदारी संगीत से जुड़ी यह खबर तब और सुखदाई है जब भारत की शास्त्रीय विरादरी में दुर्लभता को लेकर एक प्रकार का ठण्डापन पसर है। आज शहनाई, दिलरुबा, तार शहनाई, इसराज और सारंगी या पखावज के प्रति आयोगजन-कमान के भीतर कितनी गर्मजोशी है, बताते की जरूरत नहीं। जान लें, ‘मैहर बैंड’ भारतीय वाद्य यंत्रों का ऐसा समूह है, जिसमें कुछ वाद्य इस बैंड के साथ ही जन्में। अर्थात् उनका पहले कोई अस्तित्व नहीं था। इस ऑर्केस्ट्रा के जनक सरोद वादक बाबा अल्लउद्दीन खां थे। अपनी कल्पनाशीलता से जब उन्होंने वाद्य यंत्रों के समूह के माध्यम से रागदारी बजाने, सुनवाने की परिकल्पना की तो पारंपरिक-सा कल्पना मैहर बाबा अल्लउद्दीन खां की कर्मभूमि था। उन्हीं बरसों में बाबा ने सन्2१918 में इसे साकार किया था। बैंड और मैहर शहर का गठजो? लेते दिया गया सुंदर परिचय ‘मैहर बैंड’ के अस्तित्व में आने की कहानी भी खासी मर्मस्पर्शी है। असल में किसी महामारी के कारण मैहर में एकाधिक अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लउद्दीन का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने कुछ सप्ताहों तक उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर ‘मैहर बैंड’ के रूप में छ गया। राज दरबार के शासक राजकुमार ब्रजनाथ सिंह की हरी झंडी ने बाबा के इस रहस्य को उठान दे दी, नतीजा पाँचों वक्त के नमाजी और पहाड़ी पर विराजित मां शारदा के प्रतिदिन बिला नागा दर्शन करने जाने वाले बाबा का रचनात्मक मन सक्रिय हो उठा। मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता ‘नलतरंग’ वाद्य है, जिसे बंदूक की नलियों को स्वरबद्ध कर बनाया गया था- इसे दुनिया का एकमात्र ऐसा शास्त्रीय वाद्य माना जाता है। सितार, सरोद, वायलिन, चेलो, तबला जैसे वाद्यों का समन्वय इसकी पहचान है। बता दें कि ‘संगम’ यानी संगीत नाटक अकादमी भारत में यूनेस्को की नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगना ने ही मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को इस महत्वपूर्ण दायरे में लिया है। प्रदेश पर्यटन मण्डल ने इसी वर्ष 8 जनवरी, सन2०206 को मैहर बैंड के अलावा अगनिया लोह परंपरा’ और मिमिडू के जनपदीय भोजन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अकादमी को भेजा था। अब इन तीनों विरासतों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के दावे को आधिकारिक रूप से बल मिला है। अब आगे क्या? तो इसी राष्ट्रीय सूची में से चयनित विरासतों का नामांकन प्रत्येक दो वर्ष में यूनेस्को भेजा जाता है। इस सोच के पीछे खड़ी राज्य सरकार की बांछें खिलनी ही थीं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इंदेयाराजा टी. इसे ‘पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता’ मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी ‘चिंता अब खत्म हुई’ वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव, अशोक वाजपेई ने दी थी यह उसी का एक विलंबित विस्तार है।

{ विचार पीठ }

‘एक देश- एक चुनाव’ का फार्मूला होगा फायदेमंद

नजरिया

एक साथ चुनाव लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया का अनिवार्य शोधन है। बीते एक दशक में शासन की रफ्तार, डिजिटल गवर्नेंस और बुनियादी ढांचे के निर्माण को जिस तरह नीति की निरंतरता से गति मिली है, उसी सिलसिले में इस सुधार का दस्तक देना स्वाभाविक है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह है कि देश एक स्थायी चुनावी मंवर में फंस चुका है। पिछले पांच वर्षों का रिकार्ड गवाह है कि हर साल किसी न किसी बड़े राज्य में चुनावी मरोड़ उठती है और आचार संहिता का पहरा बैठ जाता है। नतीजा यह कि शासन का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के

डॉ. रामानंद शर्मा

इस मानसून सत्र की दहलीज पर ‘एक देश-एक चुनाव’ को लेकर देश में जैसी बहस छिड़ी है, वैसी किसी अन्य सुधार पर लंबे समय से नहीं देखी गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि एक देश-एक चुनाव को लेकर कोई विधेयक संसद के इस सत्र में आएगा या नहीं, लेकिन यदि आता है तो उसे लेकर विरोध देखने को मिल सकता है, क्योंकि कई राजनीतिक दल एक साथ चुनाव के विचार को खारिज करते चले आ रहे हैं। मूल प्रश्न यह नहीं है कि देश में चुनाव कितनी बार होते हैं, बल्कि यह है कि चुनी हुई सरकारें जनता को केसा शासन दे पाती हैं। यही वह बुनियादी आधार है, जिसके केंद्र में यह पूरा प्रस्ताव खड़ा है। वर्तमान में संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 को खंगाल रही है। पीपी चौधरी की अध्यक्षता में विभिन्न पक्षों से संवाद जारी है। इसे केवल चुनाव का कैलेंडर ठीक करने की यांत्रिक कसत समझना भूल होगी। यह भारतीय शासन-व्यवस्था को बुनियादी तौर पर कसने और उसे नया स्वरूप देने का ऐतिहासिक अवसर है। एक साथ चुनाव लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया का अनिवार्य शोधन है। बीते एक दशक में शासन की रफ्तार, डिजिटल गवर्नेंस और बुनियादी ढांचे के निर्माण को जिस तरह नीति की निरंतरता से गति मिली है, उसी सिलसिले में इस सुधार का दस्तक देना स्वाभाविक है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह है कि देश एक स्थायी चुनावी भंवर में फंस चुका है। पिछले पांच वर्षों का रिकार्ड गवाह है कि हर साल किसी न किसी बड़े राज्य में चुनावी मरोड़ उठती है और आचार संहिता का पहरा बैठ जाता है। नतीजा यह कि शासन का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के काम के बजाय चुनावी बंदोबस्त में होम हो जाता है। इसका सीधा असर सार्वजनिक निवेश और नीतिगत फैसलों पर पड़ता है। कोविद समिति की रिपोर्ट ने साफ रेखांकित किया है कि इन बिखरी हुई चुनावी तारीखों के कारण देश प्रशासनिक और आर्थिक अर्निक्षितता की भारी कीमत चुका रहा है। जैसे ही आचार संहिता लागू होती है, नई विकास योजनाएं, टेंडर और बड़े फैसले फाइलों में सिमट कर रह जाते हैं। बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट्स को रफ्तार चाहिए, लेकिन बार-बार लगने वाला यह राजनीतिक ब्रेक उनकी लागत बढ़ाता है और समय लील जाता है। देश



का करदता अपनी गाढ़ी कमाई से जिस प्रशासनिक तंत्र को विकास के लिए टैक्स देता है, वह भी मशीनरी महीनों चुनावी फेर में उलझी रहती है। इसकी सबसे करारी चोट हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पड़ती है। चुनावों की घोषणा होते ही लाखों शिक्षकों और सुरक्षा बलों को उनके मूल दायित्वों से हटाकर इयूटी पर तैनात कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई टप हो जाती है। बच्चों के इस नुकसान की भरपाई कोई राजनीतिक दल नहीं कर सकता। लोकतंत्र का मतलब सिर्फ वोट डालना नहीं है। जनता को निर्बाध और सुचारु नागरिक जीवन मिलना ही इसकी असली कसौटी है। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि किसी राज्य में चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक दल अपनी प्राथमिकताएं बदलने को बाध्य हो जाते हैं। यदि हम भारतीय चुनावी इतिहास को देखें तो 1951 से 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। यह समकालिक व्यवस्था इसलिए समाप्त नहीं हुई कि वह नाकाम थी, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता और समयपूर्व विघटनों के कारण उसका क्रम टूटा। इसलिए यह विचार किसी एक सरकार की तात्कालिक उपज नहीं है। चुनाव आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग वर्षों से इसे एक जरूरी सुधार

तटीय सुरक्षा का अभेद्य कवच बनेगा भारत

काँतिलाल मांडोट

भारत की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा देश की आर्थिक प्रगति, सामरिक शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। समुद्री मार्गों से देश का अधिकांश अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है, इसलिए बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों को देखने वाले रास्ते भी सुरक्षा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सबसे महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में समुद्री रास्तों के जरिए आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, नशीले पदार्थों की हेराफेरी और अवैध घुसपैठ की घटनाओं ने यह साबित किया है कि यदि समुद्री सीमाओं की निगरानी कमजोर हो तो उसका सीधा असर देश की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ता है। इसी चुनौती को देखते हुए केंद्र सरकार ने अब तटीय सुरक्षा को पूरी तरह अग्रिम बाने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की तटीय सुरक्षा व्यवस्था को समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा है कि समुद्री सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों के मछली बंदरगाहों और फिश लैंडिंग सेंटरों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। इन संवेदनशील स्थानों पर केवल स्थायी पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में निरंतरता और जवाबदेही बनी रहे। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बंदरगाह सुरक्षा व्यूरो में केवल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से प्रशिक्षित निजी सुरक्षा कर्मियों को ही तैनात किया जाए। इसके साथ ही सभी प्रमुख बंदरगाहों पर कटेनर स्कैनिंग की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती समुद्री मार्गों से होने वाली अशान्ति है। कई बार तटस्थ देशों और अपराधी छोटे मछली पकड़ने वाले जहाजों या नावों का उपयोग करके भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। यदि तटीय क्षेत्रों की निगरानी मजबूत होगी, आधुनिक तकनीक का उपयोग होगा और प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाएगी तो ऐसी घुसपैठ लगभग असंभव हो जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों को पहले से सूचना मिल सकेगी और सदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। देश ने अतीत में यह अनुभव किया है कि समुद्री मार्गों का उपयोग आतंकवादी संगठन भी कर चुके हैं। ऐसे अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया कि तटीय सुरक्षा केवल सीमा सुरक्षा का विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली रक्षा पंक्ति है। गृह मंत्रालय का मानना है कि यदि बंदरगाहों, मछली लैंडिंग केंद्रों और समुद्री गतिविधियों पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी



रखी जाए तो आतंकवादी किसी भी रूप में भारत में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। आधुनिक निगरानी प्रणाली, प्रशिक्षित सुरक्षा बल और बेहतर समन्वय आतंकवाद के खिलाफ मजबूत सुरक्षा कवच तैयार करेंगे। समुद्री मार्गों के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी भी लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती रही है। अंतरराष्ट्रीय तस्कर समुद्री रास्तों का उपयोग करके करोड़ों रुपये के मादक पदार्थ भारत तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। कई बार कटेनरों के भीतर छिपाकर प्रतिबंधित सामग्री भेजी जाती है। ऐसे मामलों में यदि प्रत्येक कटेनर की आधुनिक स्कैनिंग होगी तो अवैध सामान की पहचान करना कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इससे न केवल मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगेगी बल्कि हथियारों, विस्फोटकों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की हेराफेरी भी रोक दी जा सकेगी। बंदरगाहों की सुरक्षा व्यवस्था में निजी सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए गृह मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल लाइसेंस प्राप्त और प्रशिक्षित सुरक्षा एजेंसियों को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे सुरक्षा मानकों में एकरूपता आएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को संभावना कम होगी। सीआईएसएफ से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है क्योंकि यह बल देश के सबसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का व्यापक अनुभव रखता है। तटीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए केवल पुलिस या सुरक्षा बलों की भूमिका ही पर्याप्त नहीं होती। इसमें टटरक्षक बल, नौसेना, राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियां, बंदरगाह प्राधिकरण और स्थानीय मछुआरा समुदाय सभी की सहभागिता आवश्यक होती है। समुद्र में सबसे पहले किसी सदिग्ध गतिविधि की जानकारी अक्सर मछुआरों को ही मिलती है। यदि उनके साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए तो सुरक्षा एजेंसियां समय रहते किसी भी खतरे को रोक सकती हैं। केंद्र सरकार इसी समन्वित सुरक्षा व्यवस्था को और



अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

भारत वैश्विक व्यापार का तेजी से उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। देश के बंदरगाहों पर प्रतिदिन हजारों कटेनरों का आवागमन होता है। ऐसे में सुरक्षा और व्यापार के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। आधुनिक कटेनर स्कैनिंग प्रणाली इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि इससे व्यापार प्रभावित किए बिना सुरक्षा को मजबूत बनाया जा सकेगा। डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण और अत्याधुनिक स्कैनिंग तकनीक भविष्य की समुद्री सुरक्षा का आधार बन सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि तटीय सुरक्षा को लेकर सरकार किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ेगी। उनका कहना है कि भारत की समुद्री सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित रहें, इसके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बेहतर समन्वय के माध्यम से लगातार मजबूत किया जाएगा। उनका यह संदेश भी स्पष्ट है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आज भारत जिस गति से वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसमें सुरक्षित समुद्री सीमाएं और सुरक्षित बंदरगाह अत्यंत आवश्यक हैं। मजबूत तटीय सुरक्षा से न केवल अवैध घुसपैठ पर रोक लगेगी बल्कि आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों की तस्करी और नशीले पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को भी बड़ा झटका लगेगा। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक व्यवस्था दोनों मजबूत होंगी। केंद्र सरकार का यह अभियान केवल सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रयास नहीं बल्कि भारत की समुद्री सीमाओं को अभेद्य बनाने का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि सभी निर्देश प्रभावी ढंग से लागू होते हैं तो आने वाले वर्षों में भारत की तटीय सुरक्षा दुनिया की सबसे मजबूत सुरक्षा व्यवस्थाओं में शामिल हो सकती है। यह कदम देश की सुरक्षा, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक पहल साबित होगा।

वार्ता के लिए रवैया सुधारे पाकिस्तान

आनंद कुमार

भारत और पाकिस्तान के संबंध एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री अब्दुल्ला, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एएमए नरवणे के अलावा दोनों देशों के 1१7 प्रतिष्ठित नागरिकों ने किसी न किसी रूप में द्विपक्षीय संवाद की महत्ता पर जोर दिया है। इस बीच, ऐसी खबरें भी आई कि कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के रणनीतिक विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों के बीच ट्रेक-2 वार्ता भी हुई। वस घटनाक्रम से वही सवाल सामने आया कि क्या भारत को पाकिस्तान के साथ औपचारिक वार्ता फिर से शुरू करनी चाहिए?

इसका उत्तर भावनाओं से नहीं, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक यथार्थ के आधार पर दिया जाना चाहिए। बतावत तभी सार्थक होती है जब दोनों पक्ष शांति और विश्वास का महील बनाने के लिए तैयार हों। आज ऐसी स्थिति दिखाई नहीं देती। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को जवाब देने के क्रम में भारत ने पहली बार सिंधु जल संधि को भी स्थगित कर दिया। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध साथ-साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि छह दशक तक भारत-पाकिस्तान संबंधों की सबसे मजबूत कड़ी मानी जाती थी। यह युद्धों के दौरान भी कायम रही, लेकिन भारत ने इसे स्थगित करके यह संकेत दिया कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को विदेशी नीति का साधन बनाए रखेगा तो पुराने ढांचे भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। फिलहाल नदियों का पानी प्राकृतिक रूप से पाकिस्तान की ओर बह रहा है, लेकिन संधि के तहत होने वाला संस्थागत सहयोग, तकनीकी बैठकें और नियमित संपर्क बंद हैं। पाकिस्तान ने इस फैसले को केवल जल विवाद नहीं रहने दिया। वहां के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बना रहा है। पाकिस्तान अभी गंभीर आंतरिक संकटों से गुजर रहा है। बलूचिस्तान में लगातार बढ़ते हमले इस बात का प्रमाण हैं कि वहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ रही है। पाकिस्तान की अनेक समस्याएं उसकी अपनी आंतरिक राजनीतिक और प्रशासनिक विफलताओं से जुड़ी हैं। गुलाम जम्मू एवं कश्मीर की स्थिति भी उसके लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

वहां कई सप्ताह से लोग मंहंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट और राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ सड़कों पर हैं। आंदोलन केवल आर्थिक मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब बेहतर शासन और राजनीतिक अधिकारों की मांग भी इसमें शामिल हो चुकी है। ऐसे समय में पाकिस्तान का पूरा ध्यान अपने घरेलू संकटों पर होना चाहिए। उधर भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रियता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले के मामले में लश्कर-ए-तोइबा के सराना हाफिज सईद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। साथ ही भारत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल यानी एफएटीएफ में पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में शामिल कराने के लिए नए साक्ष्य प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अब आतंकवाद के विरुद्ध केवल सैन्य कार्रवाई ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी और आर्थिक दबाव की संयुक्त रणनीति अपना रहा है। ऐसे माहौल में यदि कोई व्यापक राजनीतिक वार्ता शुरू होती है तो उससे ठोस परिणाम निकलने की संभावना कम है। जब तक पाकिस्तान आतंकवादी ढांचे पर निर्णायक कार्रवाई नहीं करता, तब तक किसी भी उच्चस्तरीय वार्ता से अधिक उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं होगा। विश्वास की बुनियाद के बिना संवाद केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि दोनों देशों के बीच हर प्रकार का संपर्क समाप्त कर दिया जाए। व्यापक राजनीतिक वार्ता और संकट के समय आवश्यक संवाद में अंतर है। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच हाटलाइन आज भी काम कर रही है।

विधानसभा से लेकर कलेक्टर तक गूंजी कार्रवाई की मांग

समय जगत, टीकमगढ़। नगर पालिका परिषद टीकमगढ़ में सामने आई कथित वित्तीय एवं अन्य गड़बड़ियों का मामला अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। खास बात यह है कि इस बार केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा के पार्षदों ने भी दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। कांग्रेस और भाजपा पार्षदों द्वारा कलेक्टर को दिए गए पत्र सार्वजनिक किए गए, जिससे मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया।

मामले की गूंज अब विधानसभा तक पहुंच चुकी है। नियम 138(1) के तहत विधानसभा अध्यक्ष को दी गई सूचना में नगर विकास एवं आवास मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए सवाल उठाया गया है

नगर पालिका घोटाले ने पकड़ा तूल

कि जब जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मलिक को पद से हटाकर पांच वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया गया, तो उसी जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, पत्र सार्वजनिक किए गए, जिससे मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया।



निर्वाचित अध्यक्ष पर कार्रवाई की, जबकि अन्य जिम्मेदार अधिकारी आज भी अपने पदों पर कार्यरत हैं। इसे लेकर कार्रवाई में भेदभाव के आरोप लगाए गए हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू ने कलेक्टर को दिए ज्ञापन में मांग की है कि जांच में दोषी पाए गए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि जनप्रतिनिधि पर कार्रवाई हो सकती है तो शासन के स्थायी प्रतिनिधि रहे अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी समान रूप से कार्रवाई होना न्यायसंगत है। ज्ञापन की प्रति नगरीय प्रशासन एवं विकास प्रशासनिक अनियमितताओं का जिम्मेदार माना था। इसके बावजूद शासन ने केवल

सामने आना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्रवाई की मांग करने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू, नया उपाध्यक्ष सुषमा-संजय नायक, कांग्रेस पार्षद अनीस अहमद, नफीसा फरीद खान, पूनम जायसवाल, ऊषा-सुरेंद्र सोनी, देवीदयाल अहिरवार के साथ भाजपा पार्षद राखी-ध्रुव यादव, रामकुमार यादव, अरविंद रजक तथा निर्दलीय पार्षद अंशुल जैन भी शामिल हैं।

इन जिम्मेदारों के नाम जांच में आए: नगरीय प्रशासन की जांच रिपोर्ट में तत्कालीन अध्यक्ष के साथ 13 अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

भंडारे के साथ जग के नाथ की रथयात्रा का हुआ समापन



समय जगत, उचेहरा। अटूट आस्था और विश्वास के साथ नगर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा महा महोत्सव का समापन भगवान के महाप्रसाद कढ़ी भात के प्रसाद के वितरण के साथ हो गया। रथयात्रा प्राचीन नरसिंह अखाड़े से 16 को नगर के मुख्य मार्ग होते श्री संकट मोचन मन्दिर प्रांगण में विश्राम हुआ और 18 को पुनः रथ यात्रा शायम काल 5 बजे के करीब बस स्टेण्ड,पुराना मेहर रोड, परसमनिया मार्ग होते 4 दिनी यात्रा का भंडारे के साथ नरसिंह अखाड़े में समापन हो गया। नगर में निकलने वाली रथ यात्रा को लेकर हर वर्ग में भारी उत्साह देखा गया जिस मार्ग से रथ यात्रा निकली महिलाएं मंगल कलस,पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विदाई विदाई होती है चाहे

इंसान की हो या भगवान की रथयात्रा के विश्राम स्थल श्री संकट मोचन मंदिर समिति द्वारा दो दिनों तक विविध प्रकार के धार्मिक आयोजन किये गये थे समिति ने भक्तो को जी खोल कर प्रसाद ग्रहण कराया भगवान को भी छप्पन भोग लगाये ,भजन संध्या का आयोजन हुआ इसके साथ ही समिति ने सभी के लिए भगवान से मंगल कामना के लिए प्रार्थना की।

जगह- जगह हुआ स्वागत: रथयात्रा प्रारम्भ से यात्रा का समापन तक जगह जगह स्वागत हुआ। विश्राम उपरांत आगे की शुरू हुई यात्रा का बस स्टेण्ड में जुगुराज ताम्रकार सहित अन्य भक्तो की अर्चना किया जिस मार्ग से रथ यात्रा निकली महिलाएं मंगल कलस,पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विदाई विदाई होती है चाहे

साक्षिप्त समाचार

दिव्य व भव्य कलश यात्रा का किया गया आयोजन



समय जगत, बिस्टान। नगर क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस श्रीमद्भागवत स्थल तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने सुमधुर भजनों पर झूम कर भगवान की भक्ति की। इस अवसर पर मनोरेखी लक्ष्मीनारायण सूर्यकर ने सपत्नीक भगवतजी श्रद्धा के साथ सिर पर धारण की। निमेषारण्य के चक्रतीर्थ से भागवत स्थल तक कलश यात्रा आयोजन के बाद व्यासपीठ से भगवताचार्य पंडित विजय गीते ने श्रद्धालुओं को बताया कि निमेषारण्य की पावन भूमि पर ऋषि मुनियों ने सूतजी महाराज से जीव के मोक्ष, मनुष्य को सुख के लिए पुछने पर श्रीमद्भागवत भागवत कथा कराने सुनने के उपाय बताए थे। 123 हजार वर्ष तक सूतजी महाराज सुखदेव जी महाराज आदि तपस्वी ऋषियों ने तप किया था। व्यासपीठ से भगवताचार्य ने श्रीमद्भागवत कथा का विस्तार से महत्व बताया। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से जीव को परम सुख और अंत में वैकुण्ठम या मोक्ष की प्राप्ति होती है। सुमधुर भजनों पर महिलाओं ने झूम कर भक्तिभाव से कथा श्रवण की।

हीरो शोरूम में लगा माइलेज चेकअप कैंप,एचएफ डीलक्स ने दिया बेहतर माइलेज : लक्ष्मण सिंह राजपूत



समय जगत, हरदा। स्थानीय राहुल मोटर्स हीरो शोरूम में दोपहिया वाहन उपभोक्ताओं के लिए विशेष माइलेज चेक-अप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को उनकी मोटरसाइकिल के माइलेज की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना एवं बेहतर रखरखाव के प्रति जागरूक करना था। कैंप में विशेष रूप से हीरो डीलक्स मोटरसाइकिलों का माइलेज परीक्षण किया गया। इस दौरान 20 ग्राहकों की मोटरसाइकिलों का माइलेज जांचा गया, जिसमें एचएफ डीलक्स ने बेहतर एवरेज देकर अपनी इंधन दक्षता साबित की। कैंप में आबिद खान, अजय कीर, रामोतार, कृष्णा एवं शिवदास सहित कई ग्राहकों ने अपनी मोटरसाइकिलों का परीक्षण कराया। राहुल मोटर्स के संचालक लक्ष्मण सिंह राजपूत ने बताया कि इस प्रकार के कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर माइलेज प्राप्त करने के लिए नियमित सर्विसिंग, सही टायर प्रेशर तथा सुरक्षित ड्राइविंग की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ग्राहकों की सुविधा के लिए ऐसे जागरूकता एवं सेवा शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थिति पाये गये कर्मचारियों को लेकर जारी किये गये सख्त निर्देश

समय जगत, सिवनी। शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखण्ड कुरई के एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य सहित 7 शिक्षक एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर उनके वेतन काटने की कार्रवाई की गई है। 18 जुलाई 2026 को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, कुरई द्वारा एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रभारी प्राचार्य श्री चित्तीडसिंह कुसराम लगातार दो दिनों से अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा विद्यालय के 5 शिक्षक एवं 2 कर्मचारी भी 18 जुलाई को अनुपस्थित मिले, जिससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हुई। विकासखण्ड कुरई से प्राप्त प्रतिवेदन के परीक्षण उपरांत सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, सिवनी ने प्रभारी प्राचार्य श्री चित्तीडसिंह कुसराम का 2 दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही श्री जयसिंह चौधरी (प्रधानाध्यापक), श्री विवेक सरफ, श्री प्रकाश राय, श्री धनेन्द्र कुमार (माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती वंदना गिरी गोस्वामी (प्राथमिक शिक्षक), श्री मनोज राय (अंशकालीन कर्मचारी) तथा श्रीमती सुषमा नरेती (भूय) का 18 जुलाई 2026 का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश विकासखण्ड अधिकारी, कुरई को जारी किए गए हैं। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय विद्यालयों में अनधिकृत अनुपस्थिति एवं शैक्षणिक कार्य में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की अनियमितताओं पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सिवनी लोकसभा सीट की बहाली की मांग फिर तेज परिसीमन से पहले एकजुट होने का किया गया आह्वान

समय जगत, सिवनी। पूर्व सिवनी लोकसभा सीट की बहाली की मांग एक बार फिर उठी है। आगामी परिसीमन को देखते हुए जिले को पुनः स्वतंत्र लोकसभा क्षेत्र बनाने अथवा पूरे जिले को एक ही संसदीय क्षेत्र में शामिल करने की मांग की गई है। मांग करने वालों का कहना है कि सिवनी की अलग राजनीतिक पहचान और विकास को मजबूत करने के लिए सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए। उनका विश्वास है कि लोकांत्रिक और शांतिपूर्ण प्रयासों से सिवनी अपनी पूर्व राजनीतिक पहचान फिर हासिल कर सकती है।

किशोर के संदर्भ में थाने में दिया गया आवेदन

समय जगत, हमीरपुर। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के कुंडौरा गांव में घर से लापता हुए एक किशोर के तीन दिन बाद अपनी बुआ के घर मिलने पर विवाद खड़ा हो गया। किशोर के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि बुआ ने बच्चे के अपने घर में होने की जानकारी परिवार को नहीं दी। मामले में थाने में लिखित तहरीर देकर जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, पिता छुट्टन की डांट से नाराज होकर किशोरा घर से चला गया था। परिजनों ने तीन दिनों तक उसकी लगातार तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय के बालकों को किया गया जागरूक

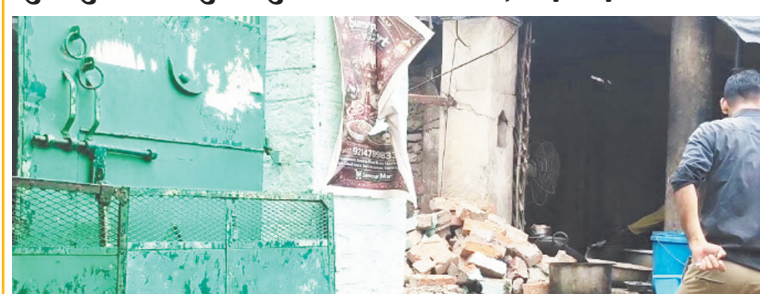


समय जगत,हरदा। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत एसडीओपी कार्यालय, टिमरनी में स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) टिमरनी एवं थाना प्रभारी, टिमरनी द्वारा

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशे के कारण होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों तथा इससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा समाज में नशामुक्त का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर गायत्री परिवार, हरदा के जिला संयोजक प्रेम नारायण गौर व अन्य सदस्यों ने भी सहभागिता करते हुए युवाओं को नैतिक मूल्यों, सकारात्मक सोच एवं नशामुक्त जीवन के महत्व से अवगत कराया तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने एवं अपने परिवार, मित्रों तथा समाज में भी नशामुक्त का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया।हरदा पुलिस द्वारा जनसामान्य से अपील की गई है कि यदि कहीं भी मादक पदार्थों के अवैध क्रय-विक्रय अथवा सेवन संबंधी जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

सुमेरपुर में वर्षों पुराने कुएं को लेकर विवाद, तोड़फोड़ का आरोप



समय जगत हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे की सब्जी मंडी स्थित जामा मस्जिद के पास मौजूद वर्षों पुराने कुएं को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि कुएं की जगत को तोड़कर उस पर कब्जा करने का प्रयास किया गया है। मामले में स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने विरोध जताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। रामेन्द्र गुप्ता, मृत्युंजय गुप्ता, महेश गुप्ता सहित अन्य लोगों ने उपजिलाधिकारी व थाना सुमेरपुर को शिकायतों पर देकर आरोप लगाया कि उक्त कुओं वर्षों पुराने हैं और इससे क्षेत्र के लोगों का आस्था जुड़ी हुई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वर्ष 2019-20 में भी कुएं को तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन तत्कालीन एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई रोक दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक बार फिर कुएं की जगत को तोड़ दिया गया है। स्थानीय व्यापारियों और कस्बेवासियों ने प्रशासन से कुएं को सुरक्षित रखने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि अवैध तोड़फोड़ हुई है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।



पत्थरगढ़ी उखाड़ने वालों पर दर्ज होगी तत्काल एफआईआर: जिलाधिकारी

समय जगत, चित्रकूट। शासन के मंशानुरूप जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आज मऊ तहसील सभागार में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में %सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्युत, चकबंदी, पैमाइश (पत्थरगढ़ी), चक्रोड एवं जलभराव (नाले) आदि विभागों से संबंधित विभिन्न शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने भू-राजस्व अधिनियम की धारा-24 (पैमाइश) के अंतर्गत पत्थरगढ़ी उखाड़ने के मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि जनपद में विधिक पैमाइश के पश्चात पत्थरगढ़ी उखाड़ने का कोई भी प्रकरण सज़ान में आता है, तो

संबंधित दोषियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई जाए। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने पूर्व में प्राप्त दो पत्थरगढ़ी उखाड़ने की सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करने के कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित किया कि जिन लेखपालों के क्षेत्रों से अत्यधिक जनशिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनकी जवाबदेही व जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आज के समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का लेखपाल क्षेत्रवार अद्यतन विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

भूमि विवादों के संदर्भ में जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम अनिवार्य रूप से स्थलीय निरीक्षण करे और मौके पर जाकर पाददर्शी व स्थायी निस्तारण



सुनिश्चित कराए। उन्होंने उप जिलाधिकारी मऊ एवं उपस्थित अधिकारियों को सचेत किया कि समस्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने

पड़ें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने मुस्तेदी के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने

पड़ें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने मुस्तेदी के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने

और सभी पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।

जिला अधीक्षक ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित जो भी प्रकरण अथवा शिकायतें प्राप्त होती हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

इसी क्रम में जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मऊ में संपूर्ण समाधान दिवस में 101 प्रार्थना पत्र में 8, कवी में 94 में 8, राजपुर 61 में 5, मानपुर, 86 में 2 का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र कुमार त्रिपाठी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल धर्मन, उप जिलाधिकारी मऊ श्री आर आर रमन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

राहुल तंवर बने सब इंस्पेक्टर, गांव में हर्ष की लहर, उत्साह से निकाला जुलूस

सुबलिया । क्षेत्र के ग्राम नादनपुर निवासी युवक का हाल ही में घोषित हुए मप्र पुलिस सब इंस्पेक्टर परीक्षा में चयन हुआ हे उन्होंने जिलेंका गौरव बढ़ाया हे राहुल के एस आई के पद पर चयनित होने पर पूरे गांव में खुशी की लहर हे । गुरुवार को उनके गांव में प्रथम आगमन पर युवाओं ने खुशी व्यक्त कर झीजे ढोल के बाइक गांव में जुलूस निकाला और परिजनों ने खुशी में भंडारा आयोजित किया जिसमे बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए । राहुल बचपन से ही मेघावी छत्र रहा हे उसने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई स्थानीय स्तर



पर व नवोदय कचनारिया श्यामपुर के निजी स्कूल में रहकर की वही एमपी पीएससी की तैयारी दिल्ली व इंदौर में रहकर की हे वे एक किसान परिवार से उनके पिता गांव में कृषि करते हे उन्हे अपने पुत्र पर गर्व है हालाकि राहुल का एमपी पीएससी मे प्री व मुक्य परीक्षा में भी चयन हो चुका हे उनका 2025 व 26 की मुख्य परीक्षा भी होना हे

दिनदहाड़े युवक का अपहरण होने से फैली सनसनी

परिजनों को भेजे जा रहे मारपीट के मैसेज

मुरैना. क्षेत्र के पंवाया रोड पर शुक्रवार सुबह एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां दिनदहाड़े अज्ञात बदमाशों ने एक 26 वर्षीय युवक का अपहरण कर लिया। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों की शिकायत पर बानमोर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन वारदात के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक सोनू कुशवाहा (26 वर्ष), पुत्र देवीराम कुशवाहा, दिल्ली में कैमरा लगाने और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन (पैसे ट्रांसफर) का काम करता था। वह करीब

एक महीने पहले ही दिल्ली से अपने घर बानमोर आया था। शुक्रवार (17 जुलाई) की सुबह करीब 10:00 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने सोनू को फोन करके बाहर बुलाया। जैसे ही सोनू गली से निकलकर मुख्य पंवाया रोड पर पहुंचा, वहां पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात युवकों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे जबरन एक कार में डालकर फरार हो गए।

12 साल के बच्चे ने देखी वारदात: इस पूरी वारदात को पड़ोस में रहने वाले 12 वर्षीय बालक गोलू जाटव



ने अपनी आंखों से देखा। गोलू ने तुरंत सोनू के घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। सोनू के पिता देवीराम कुशवाहा ने बताया कि उनके बेटे की किसी से कोई दुश्मनी या रंजिश नहीं थी।

हुए इस अपहरण से पूरा परिवार सदमे में है। हैरान करने वाली बात यह है कि अपहरणकर्ता अब सोनू के ही मोबाइल नंबर से परिजनों को लगातार मैसेज भेज रहे हैं, जिसमें सोनू के साथ मारपीट किए जाने की बातें कही जा रही हैं। इससे परिवार की चिंता और ज्यादा बढ़ गई है।

क्या कहना है पुलिस का?: घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई ठोस सुरंग नहीं लगी है। मामले को लेकर पुलिस एसडीओपी अनिल कुमार मडराह ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीम लगातार जुटी हुई है और घटना के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खगले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे पुलिस से सोनू की सुरक्षित वापसी व आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

ग्राम सिकरोदा में आयोजित हुई उर्वरक पाठशाला, किसानों को जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए किया प्रेरित

मुरैना | मुरैना जिले के ग्राम सिकरोदा में उर्वरक पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 75 किसानों के साथ इफ्को अधिकारियों एवं इफ्को ई-बाजार के कर्मचारियों ने सहभागिता की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफ्को के राज्य विपणन प्रबंधक, भोपाल डॉ. दिनेश कुमार सोलंकी रहे, जबकि अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक श्री तोताराम ने की । कार्यक्रम में इफ्को मुरैना के मुख्य क्षेत्र प्रबंधक डॉ. बी.एस. जादौन ने किसानों को मुदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैव उर्वरकों के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता बताई । उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के साथ इफ्को के नवीन बायो-फर्टिलाइजर उत्पाद अपनाने से भूमि की गुणवत्ता बेहतर होगी । उन्होंने राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-टोकन प्रणाली की भी विस्तार से जानकारी दी ।

हजारों जन्मों के पुण्य से मिलता है शिवलिंग निर्माण का अवसर : केशव गिरि महाराज

21 से 26 अगस्त तक वैदिक वाटिका में होगा पंचम रुद्र महायज्ञ



सिरोंज। शास्त्रों में कहा गया है कि अनेक जन्मों के पुण्य उदय होने पर मनुष्य जन्म मिलता है। सैकड़ों जन्मों के पुण्य के बाद भारतभूमि में जन्म का सौभाग्य प्राप्त होता है और हजारों वर्षों के पुण्य उदय के बाद भगवान शिव की पूजा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण का अवसर मिलता है। ब्रह्मांड में जितने तारे हैं, उतने जन्मों के पुण्य का फल शिवलिंग निर्माण से प्राप्त होता है। भगवान शिव की आराधना करने वाला कभी निराश नहीं होता, उसका जीवन कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है।- यह उद्गार प्रग्रथ संत केशव गिरी महाराज ने उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया स्थित वैदिक वाटिका

में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बैठक में आगामी 21 से 26 अगस्त तक आयोजित होने वाले पंचम रुद्र महायज्ञ एवं असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण महोत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।संत केशव गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की कृपा के बिना कोई भी शुभ कार्य संभव नहीं होता। जब परमात्मा की कृपा होती है, तभी व्यक्ति को धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, लेकिन भगवान शिव तो पत्थर को भी पारस बना देते हैं।

उलझनों से उम्मीद तक, किशोरों के लिए भरोसे का पता बना उमंग स्वास्थ्य केंद्र

समय जगत, राजगढ़। किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक बदलाव, आकर्षक दिखने की चाह, सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव और भविष्य की चिंता आज बड़ी संख्या में किशोर-किशोरियों को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही है। ऐसे दौर में जिला चिकित्सालय स्थित उमंग स्वास्थ्य केंद्र उनके लिए ऐसा सुरक्षित मंच बनकर उभरा है, जहां वे बिना किसी झिझक अपनी हर जिंजासा साझा कर रहे हैं। केंद्र में हर माह औसतन 200 से 250 किशोर-किशोरियां परामर्श लेने पहुंचती हैं, जबकि स्कूल खुलने के बाद यह संख्या बढ़कर 300 से 350 तक पहुंच जाती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 10 से 19 वर्ष की उम्र में शरीर और मन दोनों में तेजी से बदलाव आते हैं। इन्हीं परिवर्तनों के कारण किशोरों के मन में बांडी इमेज, मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, रिश्तों और भविष्य को लेकर अनेक सवाल जन्म लेते हैं। अधिकारों किशोर इन विषयों पर परिवार या परिचितों से



खुलकर बात नहीं कर पाते। ऐसे में उमंग स्वास्थ्य केंद्र उन्हें पूरी गोपनीयता के साथ अपनी बात रखने और विशेषज्ञों से सही मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरेकेएसके) के तहत संचालित इस केंद्र में किशोर-किशोरियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, करियर काउंसलिंग, पोषण, मासिक धर्म संबंधी समस्याओं तथा नशे और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम जैसे विषयों पर निःशुल्क परामर्श दिया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर उचित काउंसलिंग मिलने से किशोरों की

भ्रांतियां दूर होती हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जीवन की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं। हर सवाल का जवाब, बिना किसी डर और झिझक के उमंग स्वास्थ्य केंद्र की परामर्शदाता तनुवीखा अनंत फैमिली प्लानिंग एसोसियेशन से है केंद्र में आने वाले प्रत्येक किशोर की बात पूरी संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ सुनी जाती है। उन्हें बिना जज किए अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर दिया जाता है और उनकी परिस्थितियों के अनुसार समाधान खोजने में मदद की जाती है। उन्होंने बताया कि कई बार मानसिक तनाव से गुजर रहे किशोर आत्महत्या जैसे गंभीर विचार भी साझा करते हैं। ऐसे समय में समय पर परामर्श, भावनात्मक सहयोग और सकारात्मक मार्गदर्शन देकर उन्हें नई उम्मीद देने का प्रयास किया जाता है। उनका कहना है कि विश्वास और संवाद ही किशोरों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की सबसे प्रभावी कड़ी है।

जनसमस्याओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निराकरण है शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता:आयुक्त

बांदा। चित्रकूटधाम मण्डल के आयुक्त अजीत कुमार ने साफ कर दिया है कि जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार को आयुक्त अजीत कुमार ने पुलिस उपमहानिरीक्षक के साथ तहसील मौदहा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप त्वरित समाधान के निर्देश दिए। समाधान दिवस के बाद उन्होंने विभिन्न विकास विभागों की समीक्षा बैठक की, जिसमें वर्षा ऋतु को देखते हुए जलभराव और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी विभागों को तालमेल बिठकर काम करने को कहा। समाधान दिवस के बाद कमिश्नर ने पीसीएफ मौदहा के उर्वरक गोदाम का औचक निरीक्षण किया। गनीमत

रही कि मौके पर सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित मिले और गोदाम में यूरीया, डीएपी व एनपीके खाद का पर्याप्त स्टॉक पाया गया। कमिश्नर ने सख्त लहजे में निर्देश दिया कि किसानों को उनकी जरूरत के मुताबिक समय पर पारदर्शी तरीके से खाद मिले। यदि कहीं भी खाद की कमी खराखोरी, कालाबाजारी या वितरण में अनियमितता पाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों व माफियाओं के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आयुक्त का काफिला आयुमान आरोग्य मंदिर, मकराव पहुंचा। वहां दो एएनएम ड्यूटी पर तैनात मिलीं और दवाइयों का स्टॉक भी ठीक था। लेकिन जैसे ही कमिश्नर की नजर स्वास्थ्य केंद्र के पहुंच कर मार्ग पर लगे कुड़े के ढेर और बजबजती नालियों पर पड़ी, वे बेहद नाराज हो गए। उन्होंने बिना वक्त गंवाए मौके पर ही जेसीबी मशीन बुलवाकर साफ-सफाई का काम शुरू कराया। उपजिलाधिकारी मौदहा को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपनी मौजूदगी में सफाई पूरी कराकर आज शाम तक

तस्वीरों सहित अनुपालन रिपोर्ट कमिश्नर कार्यालय को भेजें। उन्होंने गंभवती महिलाओं, बच्चों और बुसुगों को प्राथमिकता के आधार पर आयुमान योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। कमिश्नर अजीत कुमार ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मकराव का भी औचक निरीक्षण किया। कक्षा में शिक्षिकाएं बच्चों को पढ़ाती मिलीं और बिजली-पंखे की व्यवस्था भी दुरुस्त थी। मगर जब कमिश्नर स्कूल के शौचालय की तरफ बढ़े, तो वहां की बदबू और गंदी देखकर भड़क गए। स्कूल की बाउंड्रीवाल और पोच की टटलें भी टूटी हुई मिलीं। बुनियादी सुविधाओं के इस बुरे स्वरूपखार पर गहरी अप्रसन्नता जताते हुए कमिश्नर ने बेसिक शिक्षा अधिकारी, हमीरपुर से तत्काल स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने विशेष कक्षाएं चलाई जाएं और अनियमित तौर पर पेरेंट्स-टीचर मीटिंग आयोजित की जाए।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को जिलेभर में मिल रहा जनसमर्थन

विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर हजारों नागरिकों ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

आगर मालवा। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित प्रदेशव्यापी -नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0- जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस आगर मालवा द्वारा जनजागरूकता गतिविधियों का सिलसिला लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट के मार्गदर्शन एवं समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के पर्यवेक्षण में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं



कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर नशे-नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नागरिकों को वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं

कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर नशे-नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नागरिकों को वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं

कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर नशे-नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नागरिकों को वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं

प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडेय ने दी जानकारी

नवनिर्माण एवं मरम्मत कार्यों की कवायद की जा रही है और समय समय पर शासन स्तर से गृहाल शीट आदि गृहाल मीट आदि के माध्यम से चाही गई जानकारीयां प्रेषित की जाती रहती हैं। यदि प्राचार्य की मानें तो क्षतिग्रस्त भवनों की समस्त जानकारी अधोसंरचना निर्माण की जानकारी में प्रतिवर्ष प्रेषित की जाती रहती है। लिखित तौर पर भी प्रस्ताव एवं अन्य पत्राचार पंचायत विभाग एवं सरपंच को दिए गए हैं। यदि ग्राम पंचायत सेदहा सरपंच श्रीमती पूनम सिंह की मानें तो स्कूल के क्षतिग्रस्त पड़े कमरों में कक्षा संचालित न करने की सख्त मनाही की गई है। चर्चा के दौरान हिनौती सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले वर्ष से ही क्षतिग्रत भवनों के

बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा विधिवत ग्राम सभा का प्रस्ताव पारित किया जाकर कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री एवं सहायक यंत्री द्वारा हिनौती स्कूल भवन में क्षतिग्रस्त भवनों के मरम्मत एवं पेवर ब्लॉक के कार्य के लिए पत्र क्रमांक 1252 दिनांक 17/11/2025 के माध्यम से तकनीकी स्वीकृति आदेश जारी किया गया था जो कि 25 लाख की सीमा के अंतर्गत है। लेकिन यह जिला खनिज मद से जारी किया जाना था जो कि आज दिनांक तक कार्ययोजना में ही शामिल नहीं कराया गया है जिसकी वजह से अभी प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी न होने और फंड से भी पंचायत की वजह से काम रुका है। यदि प्राचार्य और सरपंच की मानें तो यहां स्थानीय निकाय स्तर एवं स्कूल ने अपना

दायित्व पूरा कर दिया है। अब बड़ा सवाल यह है जब स्कूल के 700 से अधिक छात्रों एवं दर्जनों शिक्षकों का जीवन संकट में बना हुआ है ऐसे में आखिर लगभग 8 माह पूर्व वर्ष 2025 में जारी की गई तकनीकी स्वीकृति अभी तक कैसे जिला माईनिंग कार्यालय के प्रमुख संजय सिंह की टेबल में धूल फांक रही है। गौरतलब है कि जिला माईनिंग फंड कार्यालय पहले भी काफी बदनाम रहा है जहां काम वही होते हैं जब कुछ चढ़ावा च? जाता है बाकी यह कोई देखने वाला नहीं है कि कार्य की अर्जेंसी और प्राथमिकता का स्तर क्या है। इसके पहले भी कई ऐसी ग्रेवल सड़कें हैं जिनके लिए गांववालों ने वर्षों पूर्व से आंदोलन किया था लेकिन वह सभी कार्य आज भी चढ़ावा के अभाव में लटक पड़े हैं जबकि

अन्य बाद के कार्यों के लिए राशि जारी की जा चुकी है। सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने डीएमएफ विभाग को आवंटित किए जाने के लिए पहले भी कमिश्नर को ज्ञापन दिया था लेकिन उस पर कार्यवाही मात्र पत्राचार तक ही सीमित रह गई है। उनका मानना है जब तक जिला माईनिंग फंड का ओआईसी नहीं बदला जाता तब तक कार्यों की प्राथमिकता और सही जानकारी कभी भी जिला कलेक्टर के समक्ष पेश नहीं की जा सकेगी। हालांकि उन्होंने वर्तमान जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी पर भरोसा जताया है और जल्दी कार्यवाही किया जाकर जल्द से जल्द हिनौती स्कूल के क्षतिग्रस्त भवन परिसर के मरम्मत और निर्माण की आशा व्यक्त की है।

सार सँक्षिप्त

ग्राम चौपाल में दिया नशे से दूरी का सन्देश



समय जगत, आगर मालवा | नशे से है दूरी जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत शनिवार को पिपलोन कला ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल लगाकर चौकी प्रभारी अजय जाट ने ग्रामीणजनों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि रामचंद्र राठौड़, चौकी प्रभारी अजय जाट, प्रधान आरक्षक रंजि यादव, इकबाल खान सहित चौकी स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे ।

शिक्षक तरवर सिंह बने राजगढ़ ग्रामीण शिक्षा समिति के नए जिला

अध्यक्ष, प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ सम्मान



समय जगत जीरापुर । विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त द्वारा संचालित ग्राम भारती शिक्षा समिति की जिला समिति द्वारा साधारण सभा आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डॉ. हैडगेदार कालोनी, राजगढ़ में संपन्न हुआ बैठक में सर्वसम्मति से बाढ़गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक तरवर सिंह को मां ग्रामीण शिक्षा समिति, जिला राजगढ़ को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारियों का विशेष अतिथ्य प्राप्त हुआ कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रान्त सचिव चिन्देश सिंह सौर, प्रान्त प्रमुख चन्द्र हंस पाठक , मुरलीधर धर्माणी एवं प्रांतीय महासचिव गोविंद कारपेटेर मंवासीन रहे प्रांतीय पदाधिकारियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती का मूल उद्देश्य संस्कार युक्त शिक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण करना है नई कार्यकारिणी जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण और सामाजिक समरसता के कार्यों को नई गति देगी वही नव नियुक्त जिलाध्यक्ष तरवर सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुकुल के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक शिशु मंदिर को आदर्श शिक्षा का केंद्र बनाएंगे भारतीय संस्कृति और संस्कारों को बच्यो तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता रहेगी इस अवसर पर बैठक में मौजूद गणमान्य शिक्षाविदों ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष का सम्मान के बधाई शुभकामनाएं दीं गई ।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कृषि मंत्री का किया गया पुतला दहन

समय जगत, मुरैना । मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान के निर्देशानुसार तथा किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस के नेतृत्व में मुरैना जिले के विभिन्न ब्लॉकों—रामपुर, जौरा, कैलारस, अंबाह, पोरसा सहित अन्य स्थानों पर किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों ने अपने-अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ किसानों के हित में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया । इसी क्रम में जिला मुख्यालय मुरैना स्थित पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस के नेतृत्व में किसान कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष इरसाद इकबाल शाह द्वारा किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री का पुतला दहन किया । प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पुतला दहन रोकने का प्रयास किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी नोकझोंक भी हुई, लेकिन किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते हुए पुतला दहन किया । यह विरोध प्रदर्शन प्रदेशभर व जिले भर में मूँग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी सुनिश्चित करने, किसान विरोधी ई- टोकन व्यवस्था को तत्काल समाप्त करने, समय पर नहर का पानी किसानों को देने एवं बटाईदार किसानों के लिए खाद की व्यवस्था की जाए आदि मांग को लेकर आयोजित किया गया ।

जनपद भवन के लिए शासकीय भूमि आवंटन करने में जिम्मेदारों द्वारा बरती जा रही है कोताही मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन के बावजूद जनपद भवन के निर्माण को लगा ग्रहण

समय जगत, खाचरोद। मुख्यमंत्री के गृहनगर जिले के खाचरोद में नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण हेतु 5 करोड़ से अधिक की राशि 2025 में स्वीकृत हुई है। जिसका भूमि पूजन भी विगत जनवरी में मुख्यमंत्री से स्थानीय प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा करा लिया गया है। जनपद अध्यक्ष कुंवर पृथ्वीराजसिंह पंवार ने एसडीएम, तहसीलदार, कलेक्टर, आयुक्त पंचायतमंत्री मुख्यमंत्री सबको कई बार अवगत कराने के बावजूद भी स्थानीय प्रशासन एवं कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायत की अपनी स्वयं की भूमि सर्वे क्रमांक 984 पर नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि का आवंटन महीनों से अटक रहा है। पंवार ने बताया कि जनपद का नवीन भवन वर्तमान



शासन द्वारा स्वीकृत किया है क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी इसी शासन के अभिन्न अंग हैं तो फिर भूमि आवंटन में स्थानीय प्रशासन द्वारा लेट लतीफी क्यों की जा रही है। जनहित का मुद्दा है व्यक्तिगत नहीं है जनपद

की अपनी स्वयं की भूमि है, पर्याप्त भूमि है सरकार का एजेंडा भी है कि सभी शासकीय कार्यालय एक ही परिसर में हो इतना स्पष्ट होने के बाद भी शासन पर प्रशासन भारी दिखाई दे रहा है। क्या यही लोकतंत्र के जनहित में नवीन जनपद भवन के लिए भूमि आवंटन करने का स्थानीय प्रशासन से जवाब तलब क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं है। पंवार ने बताया कि एसडीएम व कलेक्टर से भूमि आवंटन देरी का कारण क्यों नहीं पूछा जा रहा है। पंवार ने यह भी कहा है कि जनप्रतिनिधि यदि जागरूक नहीं तो फिर प्रशासन मनमानी करेगा में भी हक और जनहित की लड़ाई लड़ रहा हूँ लेकिन नहीं सुनी जा रही है वहीं

सरकार के प्रतिनिधि को तो अभी तक जनपद भवन की भूमि आवंटन कर देना चाहिए थी, श्रेय तो आपको ही जाता। 6 माह पूर्व मुख्यमंत्री से भूमिपूजन कर लिया गया वो भी गृहनगर की विधानसभा के हाल यह है कि 1 वर्ष पूर्व भवन निर्माण हेतु राशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई शासकीय भूमि पर्याप्त उपलब्ध होने पर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा भूमि आवंटित नहीं कराना निश्चित ही प्रशासन की हठधर्मिता है। यदि ईमानदारी से जनहित का संकल्प है तो तत्काल जनपद भवन के लिए भूमि आवंटन करने की कार्यवाही की जाना चाहिए अन्यथा न्यायालय की शरण ली जाएगी, जिसका समस्त उत्तरदायित्व स्थानीय प्रशासन का रहेगा।

सादगी और सेवा के पर्याय हैं लक्ष्मीनारायण त्रिकार

समय जगत, सारंगपुर । लक्ष्मीनारायण त्रिकार जिनका जीवन सेवा, समर्पण, सादगी और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुपम उदाहरण है। उनके जन्मदिवस के पावन अवसर पर समस्त नगरवासी, शुभचिंतक एवं सामाजिक संगठनों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। न्याय विभाग शासकीय सेवा में अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने के पश्चात भी उन्होंने समाज के प्रति अपने कर्तव्य को कभी समाप्त नहीं माना। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने स्वयं को पूर्णतः जनसेवा, सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में समर्पित कर दिया। आज वे सारंगपुर नगर के उन अग्रणी समाजसेवियों में गिने जाते हैं, जिनकी सक्रियता और सकारात्मक सोच समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वर्तमान में आप प्रोग्रेसिव पेंशनर्स संघ, शाखा सारंगपुर के अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, सम्मान



और कल्याण के लिए सतत कार्य कर रहे हैं। साथ ही प्रांतीय सचिव के रूप में संगठन को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महादेव मित्र, आरोग्य भारती तथा सद्भावना भजन मंडल जैसे प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से जुड़कर आप सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और सामाजिक समरसता की अलख जगा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में

आपका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एक सच्चे पर्यावरण प्रेमी के रूप में आपने सारंगपुर नगर को हरित और स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों तक पौधारोपण, जनजागरण और संरक्षण के अनेक अभियान चलाए। आपके प्रयासों से न केवल हजारों पौधे धरती की शोभा बने, बल्कि असंख्य लोगों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण का भाव भी जागृत हुआ।

साक्षिप्त समाचार

समय जगत की खबर से गाय को मिला इलाज



समय जग, नरसिंहपुर। संजय वार्ड में बीमार हालत में पड़ी एक गाय की खबर को समय जगत ग्रुप में प्रकाशित किया गया था। जिसकी खबर से संज्ञान लेकर संज्ञान पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों ने तुरंत बीमार गाय के पास पहुंचकर इलाज किया। उनके द्वारा तत्परा से किए गए इलाज के लिए पशु चिकित्सालय के डॉक्टर नितिन किरार एवं डॉक्टर सदीप पटेल को वार्ड वासियों ने साधुवाद दिया। वहीं मध्य प्रदेश शासन के पशु कल्याण विभाग द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1962 की लापरवाही भी देखने को मिली 1962 पर कॉल करने पर किसी की द्वारा भी कॉल नहीं उठाया गया था 1962 पर कॉल करने के 3 घंटे उपरांत मदद की पेशकश की गई थी परंतु उसके पूर्व ही समय जगत की खबर से संज्ञान लेकर पशु चिकित्सालय विभाग के डॉक्टरों द्वारा समय पर गाय का इलाज कर दिया गया।

शहरी गरीबी उपशमन विभाग सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ समिति की बैठक संपन्न



समय जगत, रतलाम । महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार नगर निगम शहरी गरीबी उपशमन विभाग (सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ) की बैठक समिति प्रभारी रामभई डाबी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में अनुसूचा की गई कि वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग आदि पेंशन योजना के ऐसे हितग्राही जिन्हें कुछ माह से पेंशन नहीं मिल रही है उन्हें शीघ्र पेंशन दिलाये जाने हेतु संबंधित विभाग को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि पेंशन धारकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। आयोजित बैठक में समिति प्रभारी रामभई डाबी के अलावा समिति सदस्य रणजीत टाक, धर्मेन्द्र रांका, करण कैथारस, श्रीमती देवश्री पुरोहित, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती आशा रावत, श्रीमती मौनिका सेन समिति सचिव जितेन्द्र राठौर आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति नीति से कराया गया अवगत



समय जगत, इटारसी। आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर खड़ा स्थित होटल एक्सप्रेस 11 में कांग्रेस संगठन के दो दिवसीय शिविर के पहले दिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी उषा नायडू मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल, जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा, हरदा जिला कांग्रेस प्रभारी अर्चना जैन, नर्मदापुरम जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुह्मन पांडेय, हरदा जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साई, प्रशिक्षक ललित सेन, सहित नर्मदापुरम जिला एवं हरदा जिला के ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्ष विधेय रूप से उपस्थित थे। जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने बताया कि आज के शिविर में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस की रीति नीति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अवगत कराया एवं जनहित के मुद्दों लेकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया।

एकीकृत शालाओं में दोनों स्तरों पर पढ़ा सकते हैं शिक्षक, आवश्यकतानुसार बने व्यवस्था

प्राथमिक में कमी होने पर माध्यमिक शिक्षक से अध्यापन का प्रावधान, जिले में कई जगह नहीं हो रहा पालन

समय जगत, मण्डला। जिले की एकीकृत शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना एवं अध्यापन व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सबाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार एक परिसर-एक शाला (एकीकृत शाला) व्यवस्था के तहत कार्यरत विद्यालयों में शिक्षक किसी एक स्तर के नहीं, बल्कि संपूर्ण एकीकृत विद्यालय के शिक्षक माने जाते हैं। ऐसे में विद्यालय की आवश्यकता के अनुसार संस्था प्रमुख समय-सारणी बनाकर प्राथमिक एवं माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षकों से अध्यापन कार्य करा सकते हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार एकीकृत शाला संबंधी प्रावधानों का उद्देश्य उपलब्ध शिक्षकों का प्रभावी एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना है, ताकि किसी भी कक्षा के विद्यार्थियों की पढ़ाई शिक्षक की कमी के कारण प्रभावित न हो। यदि प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की कमी हो



और माध्यमिक स्तर पर पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हों, तो आवश्यकता अनुसार माध्यमिक शिक्षक को प्राथमिक कक्षाओं में भी अध्यापन कार्य सौंपा जा सकता है। इसी प्रकार आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिक शिक्षक की योग्यता अनुसार निधारित नियमों के अनुरूप अन्य कक्षाओं में सहयोग कर सकते हैं। जानकारी में आया है यही नियम एकीकृत हाईस्कूलों के लिए है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि जिले की अनेक एकीकृत शालाओं में इस व्यवस्था का प्रभावी पालन नहीं हो

रहा है। कई विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर शिक्षक पर्याप्त संख्या में हैं, जबकि प्राथमिक कक्षाएं शिक्षक अभाव से जूझ रही हैं। इसके बावजूद उपलब्ध शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित नहीं किया जा रहा, जिससे छोटे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। सूत्रों के अनुसार कई एकीकृत विद्यालयों में माध्यमिक शिक्षक प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य करने से परहेज करते हैं। यदि यह स्थिति सही है तो यह एकीकृत शाला व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत मानी जा रही है।

स्वच्छता मित्रों को पीपीई किट के उपयोग व स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में किया जागरूक

समय जगत, रतलाम । सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार वार्ड क्रमांक 17 ईश्वर नगर में स्वच्छता मित्रों को पीपीई किट के सुरक्षित उपयोग एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम की आईईसी टीम के सदस्य रामेश्वर परमार व रामप्रसाद गिरवाल द्वारा सफाई मित्रों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) के महत्व एवं उसके सही एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सफाई कार्य के दौरान दस्ताने, मास्क, सुरक्षा जैकेट, गमबूट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने से संक्रमण एवं दुर्घटनाओं के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर सफाई मित्रों को स्वास्थ्य



एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। दिनांक 18/07/2026 / 16 जुलाई 1946 को रतलाम में मजदूरों पर हुए गोली चालन में पांच मजदूर शहीद हुए थे उनकी याद में आज संयुक्त ट्रेड

यूनियन रतलाम के तत्वाधान में शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पांचो शहीदों की याद में पांच पौधे लगाने का भी संयुक्त ट्रेड यूनियन की ओर से संकल्प लिया गया। शहीद चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन किया गया।

सिटीया गोहना गौशाला की 16 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग

समय जगत, सोहागपुर। सिद्ध महाराज के समीप स्थित सिटीया गोहना गौशाला की लगभग 16 एकड़ शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण एवं मजार निर्माण के संबंध में सकल हिंदू समाज एवं नागरिक संघर्ष समिति, सोहागपुर के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से भेट कर इस विषय पर चर्चा की। दूसरी और भाजपा मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज शाहिद पाषण्डों ने सुहागपुर विधायक विजयपाल सिंह को भी अतिक्रमण से अवगत कराया उन्होंने भी



शिवकुमार पटेल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम महोदय से आग्रह किया कि गौशाला की संपूर्ण शासकीय भूमि का राजस्व अभिलेखों के अनुसार सीमांकन कराया जाए तथा यदि किसी प्रकार का अतिक्रमण पाया जाता है, तो उसे विधिसम्मत प्रक्रिया के

तहत हटाकर पूरी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शासकीय भूमि का संरक्षण तथा उसका वैधानिक उपयोग सुनिश्चित किया जाना जनहित एवं प्रशासनिक उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण विषय है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, एसडीएम ने उन्हें आश्वासन

दिया कि संपूर्ण 16 एकड़ भूमि का राजस्व अभिलेखों के आधार पर परीक्षण एवं सीमांकन कराया जाएगा। जांच में यदि अतिक्रमण पाया जाता है, तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा समारोह हुआ आयोजित शिक्षा के साथ संस्कार पर दिया गया जोर

समय जगत, मण्डला। जिले के सांदीपनि विद्यालय, ग्राम सागर में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा के अवसर पर गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री सपतिया उडके ने की, जबकि क्षेत्रीय सांसद फगन सिंह कुलसे विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने

वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, माता-पिता एवं गुरुओं का सम्मान करने और डॉक्टर, कलेक्टर, एसपी जैसे उच्च पदों पर पहुंचकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही राह के भविष्य का निर्माण करते हैं और विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि



राज्य सरकार छात्र हित में लगातार कार्य कर रही है। कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों को समय पर निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण

किया जा रहा है। वहीं कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को मध्याह्न भोजन, साइकिल एवं यूनिफॉर्म जैसी सुविधाओं का लाभ भी मिल रहा है। सांसद फगन सिंह कुलसे ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आए हैं। एकलव्य एवं केंद्रीय विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम का संचालन हो रहा है तथा विद्यार्थियों के कोशल विकास के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं निवास विधायक चैनसिंह वरकडे ने

भी संबोधित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों में सुरेंद्र दुबे, धेता तिवारी, संजय तिवारी, बेनी प्रसाद मरावी, माया डेहरिया एवं पूर्णिमा पटेल का सम्मान किया गया। वहीं मेधावी विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के धर्मेन्द्र कछवाहा, देवांशु साहू, संस्था मरावी तथा कक्षा 12वीं के अमित मर्सकोले, जागृति परवार एवं रूपाली राजपूत को सम्मानित किया गया। समारोह में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



सब नागरिक समान सबको सम्मान

समानता और न्याय की
भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश

मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता



सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों
के लिए एक समान कानून
सुनिश्चित होंगे



सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं,
धार्मिक रीति-रिवाज पूरी
तरह सुरक्षित होंगे



विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार
जैसे मामलों में अब सभी को एक समान
कानूनी सुरक्षा मिलेगी



जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक
तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी
और दंडनीय होंगे



बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह
और तलाक पर पंजीयन
अनिवार्य होगा



लिव-इन रिलेशनशिप का
पंजीयन अनिवार्य



माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य
बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या
एआरटी से जन्मे बच्चों को समान
कानूनी मान्यता



जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान
करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा,
सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर
यह कानून लागू नहीं होगा